Exam. Code: 0007
Sub. Code: 0605

2012

B.A./B.Sc. (Hons.)-3rd Semester

Hindi

Time allowed: 3 Hours | Max. Marks: 90

नोट:— निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दें।

-*-*-*-

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:—

(क) पातक—पीन, कुदारिद—दीन, मलिन धरै कथरी—करवा है।
लोकु कहै, बिधिहूँ न लिख्यो सपनेहूँ नहीं अपने नर नाहै।।
रामको किंकरु सो तुलसी, समुझेंहि भलो, कहिबो न रवा है।
ऐसे को ऐसो भयो कबहूँ न भजे बिनु बानर के चरवा है।।

अथवा

को भरिहै हरिके रितएँ, रितबै पुनि को, हरि जौं भरिहै।
उथपै तेहि को, जेहि रामु थपै, थपिहै तेहि को, हरि जौं टरि है।।
तुलसी यहु जानि हिएँ अपनें सपने नहि कालहु ते डरि है।
कुमयाँ कछु हानि न औरन की, जो पै जानकी—नाथु मया करिहै।। (12)

(ख) आमिष दिया अपन जिन्होंने श्येन—भक्षण के लिए,
जो बिक गये चाण्डाल के घर सत्य—रक्षण के लिए!
दे दी जिन्होंने अस्थियाँ परमार्थ—हित जानी जहाँ,
शिवि, हरिश्चंद्र, दधीचि—से होते रहे दानी यहाँ।

अथवा

अपने सहायक आप हो, होग सहायक प्रभु तभी,
बस चाहने से ही किसी को सुख नहीं मिलता कभी।
कर, पद, हृदय, दृग, कर्ण तुमको ईश ने सब कुछ दिया,
है कौन ऐसा काम जो तुमसे न जा सकता किया। (12)

2. निम्नलिखित तीन दीर्घ समीक्षात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक खण्ड से कम से कम एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है:—

खण्ड—क

(१) 'कवितावली' के उत्तरकांड के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

Contd.....P/2

(२) उत्तरकांड के आधार पर तुलसीदास की भक्ति–भावना की विवेचना कीजिए।

(३) उत्तरकांड के भाषा–शिल्प का विश्लेषण कीजिए।

खण्ड–ख

(४) 'भारतभारती' के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(५) 'भारतभारती' के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त की सांस्कृतिक चेतना की विवेचना कीजिए।

(६) 'भारतभारती' के भाषा–शिल्प का विश्लेषण कीजिए। (18+18+18)

3. भारत के विकास में हिन्दी के अवदान पर प्रकाश डालिए। (12)

-*-*-*-